मायावती और दलित आन्दोलन



कंवल भारती

मायावती और दलित आन्दोलन

[दलित पत्रकारिता]

दलित आन्दोलन
के जुझारू
साथियों
को

बहुत जल्द होगी
क्रान्ति
और नयी कलमें
तुम्हें सलीब पर
टांग देंगी।

—कंवल भारती

मैं निराश नहीं हूं मित्र,
गांव की कीच भरी गलियों में
मौसम के खिलाफ
उठती हुई आवाजें
मुझे साफ सुनाई दे रही हैं।

—मलखान सिंह

विषय सूची

निवेदन xi

खण्ड-1 (1996-1997)

1. 1996 के चुनाव-परिणाम 15
2. बसपा का अवसरवाद 19
3. कांशी-माया का आंबेडकर मिशन 24
4. भाजपा-बसपा-गठबन्धन टूटना चाहिए 28
5. मायावती सरकार के सौ दिन 33
6. मायावती का पलटी मारना 37
7. क्यों चाहिए बसपा को सेफ गार्ड ? 40
8. मायावती का दलित प्रेम 43
9. बसपा और सामाजिक कार्यक्रम 48
10. मायावती और दलित सवाल 52

खण्ड-2 (1999-2004)

11. दलितों से छल करती राजनीति 59
12. मायावती का अर्थ दलित नहीं है 63
13. बसपा की भाजपा-भक्ति 68
14. मायावादी दलितवाद 72
15. आंबेडकर का दलित भटक क्यों रहा है? 79
16. धिक्कार और निन्दा रैली : कुछ अपने को भी धिक्कारें 83
17. आंबेडकर पर हमला और मायावती की बौखलाहट 87

18.	मायावती का पोटा	93
19.	दलित राजनीति की भाजपाई धारा	98
20.	दलित की बेटी का दलित-बोध	105
21.	पर्दाफाश रैली का काला सच	109
22.	अभिशाप बनी मायावती सरकार	115
23.	बाजारवाद के हवाले शिक्षा	120
24.	ठाढ़ा सींघ चराइ गाइ	125
25.	भाजपा-बसपा-गठबन्धन का पटाक्षेप अभी नहीं	130
26.	उत्तर आंबेडकर दलित सोच—भटकाव और खतरे	135
27.	बसपा का राजनीति शास्त्र	141
28.	मायावती और कांग्रेस	144
29.	बहुजन समाज पार्टी का घोषणा-पत्र	147
30.	दलित क्या चाहता है ?	149